संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय

(म.प्र. शासन और राष्ट्रीय शिक्षक प्रशिक्षण परिषद द्वारा मान्यता,, यू जी सी 2 ;द्वि एवं 12 (इ) द्वारा मान्यता प्राप्त तथा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से संबद्ध)

संत हिरदाराम नगर, भोपाल – 462030

दूरभाष – (0755) 2640631, 2640632, फैक्सः 2640632

ई मेल:santhirdaramgirlscollege@yahoo.com वेबसाइट:www.shgc.in

दिनांक : 15.02.2019

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने दी शहीदों को श्रद्धांजली

शुक्रवार, दिनांक 15.02.2019 को कश्मीर के पुलवामा जिले के राष्ट्रीय मार्ग परं गुरूवार शाम सुरक्षा बलों पर अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ जिसमें सी.आर.पी.एफ. के 44 जवान शहीद तथा करीब इतने ही गंभीर रूप से घायल हो गये। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में इन जवानों की शहादत पर श्रद्धांजली अर्पित कर उनकी आत्मिक शान्ति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। इस अवसर पर परम श्रद्धेय सिद्ध भाऊ जी, अध्यक्ष, श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी, उपाध्यक्ष एवं श्री ए.सी. साधवानी, सचिव, शहीद हेमू कालानी ऐजूकेशनल सोसायटी, रिटायर्ड कर्नल एन. पारवानी जी, तीनों महाविद्यालयों के प्रमुख डॉ. चरनजीत कौर, डॉ. हेमान्शु शर्मा, श्री जीतेन्द्र शर्मा, समस्त प्राध्यापिकाएँ एवं छात्राएँ उपस्थित थीं।

कर्नल एन. पारवानी जी ने इस आतंकी हमलों की निंदा करते हुए कहा कि एक के बाद एक देश के सपूतों की शहादत हो रही है। जवान अपनी जान की बाजी लगाकर देश की रक्षा कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि इस बड़े आतंकी हमले का सामना कर स्वयं के प्राण न्यौछावर करने वाले शहीदों का ऋण कोई भी देश नहीं चुका सकता। उनका त्याग और बलिदान हमारे ऊपर ऋण है। हम उनका सम्मान करें, उनके परिवार के प्रति सहानुभूति रखें और प्रार्थना करें कि भगवान उनके परिवार को संबल प्रदान करे। उन्होंने युवाओं से अनुरोध किया कि वे सजग रहें और अपने आसपास देशद्रोहियों की मदद करने वालों को चिन्हित कर सेना की मदद करें। प्रत्येक छात्र–छात्रा को अपने कर्तव्यों का निर्वाह कर देश की सेवा करनी चाहिए

शहीद हेमू कालानी ऐजूकेशलन सोसायटी के उपाध्यक्ष श्री हीरो ज्ञानचंदानी जी ने छात्राओं एवं शिक्षिकाओं से अनुरोध किया कि वे '**भारत के वीर एप**' पर अधिक से अधिक संख्या में योगदान देकर अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चरनजीत कौर ने कहा कि शहीदों की वीरता और उनके बलिदान को महसूस करें। हमारी सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल निरन्तर प्रयासरत हैं। हमें भी अपने अन्दर देने की भावना विकसित करनी चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि हम अपने जीवन को एक सैनिक की भाँति संवारें। हम जहाँ खड़े हैं वहीं से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का प्रयास करें। तीनों महाविद्यालयों की छात्राओं एवं प्राध्यापिकाओं ने शहीदों के सम्मान में मोमबत्ती लगाकर अपनी संवेदनाएँ व्यक्त कीं।

डॉ. चरनजीत कौर
प्राचार्य